मिशन शिक्षण संवाद

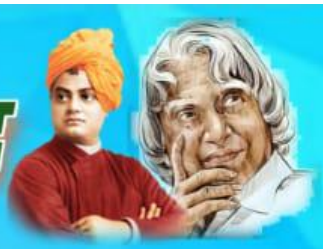

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

संकलन

काव्य मंजरी टीम

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

एलुमिनियम उद्योग

01

बॉक्साइट की कच्ची धातु से,
एलुमिनियम का निर्माण किया जाता।
बॉक्साइट को गलाने के लिए,
अधिकाधिक कोयला प्रयोग में लिया जाता।।

जहाँ एलुमिनियम और कोयला,
दोनों ही खनिज आसानी से मिलते।
भारत में उन क्षेत्रों में ही,
एलुमिनियम के कारखाने मिलते।।

भारत में एलुमिनियम का पहला कारखाना,
जे. के. नगर में खोला गया।
'एलुमिनियम कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया' को,
सन् 1937 में स्थापित किया गया।।

'इण्डियन एलुमिनियम कम्पनी' बिहार में,
'भारत एल्युमिनियम कम्पनी' छत्तीसगढ़ में,
'हिण्डालको', रेनकूट, उत्तर प्रदेश में,
'नॉलको' मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, में।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

हीरा उद्योग

02

हीरा उद्योग में सूरत का है बड़ा ही नाम,
खुरदुरे हीरों पर होता यहाँ घिसाई का काम।
दक्षिण अफ्रीका से आयातित हीरे है आते,
कट-छँट सुन्दर बन कर बेल्जियम को जाते।।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में गुजराती,यहूदी निवेश लगाते,
अपने हीरा व्यापार को बुलन्दियों पर ले जाते।
भारत के गोलकुण्डा का हीरा सबसे अनमोल,
कोहिनूर इनमें से एक, नहीं है जिसका कोई मोल।।

हीरा है एक कठोर पदार्थ है ये सबको ज्ञान,
उपयोगी उद्योगों में और आभूषणों की जान।
लाल, हरे, नीले और पीले रंगबिरंगे होते हीरे,
हरे की लेकिन होती दुनिया में सबसे ज्यादा मांग।।

हीरे के रूप और उपयोग होते हैं अनेक,
अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी डी बीयर्स संग ।
भारतीय डी टी सी करती ये एलान ,
भारत में हीरा उद्योग की है सम्भावनाएँ अपार।।

रचना - डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)

मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1

सिकंदरपुर कर्ण-उन्नाव

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

चूड़ी

03

औरत का श्रंगार है चूड़ी,
सुहागन की पहचान है चूड़ी।
हांथो में सबके खनके चूड़ी,
बच्ची हो या कोई बूढ़ी।।

कांच, प्लास्टिक, लाख की,
चूड़ी बनाई जाती हैं।
लाल, पीली, काली, नीली,
हर रंग में पाई जाती है।।

ठेला, मेला, और दुकान,
हर जगह मिल जाती है।
हांथो में जब पहने कोई,
हांथों की शोभा बढ़ जाती है।।

भारत के कई प्रान्तों में,
चूड़ी बनाई जाती हैं।
सुन्दर- सुन्दर कारीगरी से,
चूड़ी सजाई जाती है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

कोयला उद्योग

04

विशेष क्षेत्र में भारी मात्रा में,
जब किसी सामान का निर्माण होता।
ऐसी सेवा प्रदान करने वाला,
मानवीय कर्म उद्योग कहलाता।।

भारतवर्ष में ऐसे होते हैं,
कई प्रमुख उद्योग।
जिनमें कोयला कहलाता है,
एक आधारभूत उद्योग।।

इस पर निर्भर करता है,
अन्य उद्योगों का विकास।
शक्ति के साधन के रूप में,
कोयला का फैला प्रकाश।।

भारत में कोयले के जहाँ,
पाए जाते सर्वाधिक भण्डार।
झारखण्ड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़,
आन्ध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

चमड़ा उद्योग

05

चमड़ा उद्योग भारत में सर्वाधिक,
रोजगार के अवसर प्रदान करता है।
लगभग हर गाँव में इस उद्योग का,
कोई न कोई काम किया जाता है।।

संसार का 90 प्रतिशत चमड़ा,
बड़े पशुओं की खालों से बनता है।
भारत में इसका सर्वाधिक उत्पादन,
तमिलनाडु चेन्नई में होता है।।

दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश के,
कानपुर नगर में उत्पादन होता है।
चर्मपाक रासायनिक परिवर्तन है,
जिसके फलस्वरूप चमड़ा बनता है।।

जूते, चमड़े के वस्त्र, बैग, घोड़े की जीन,
मश्क, बेल्ट आदि सामान प्रसिद्ध हैं।
चेन्नई में एनिमल वेल्फेयर बोर्ड,
ऑफ इण्डिया का मुख्यालय स्थित है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

दुग्ध उद्योग

06

पौष्टिक होता दूध बहुत ही,
बनता इससे पनीर, दही।
मावा बनता, मट्ठा बनता,
इससे बनता मक्खन-घी।।

दुग्ध उद्योग जहाँ पर होता,
उस स्थान को डेरी कहते।
गाय, भैंस, भेड़, बकरी,
दूध इनसे प्राप्त करते।।

विश्व दुग्ध उत्पादन में,
भारत का है सर्वोच्च स्थान।
15% के साथ दूध में,
सर्वाधिक है योगदान।।

पशु पालन से ही बढ़ेगा,
अपने देश में दुग्ध उद्योग।
शुद्ध-ताजा दूध पीकर,
स्वस्थ रहेंगे सारे लोग।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

लकड़ी उद्योग

07

भारत में अर्थव्यवस्था के,
कई हैं मुख्य आधार।
भिन्न-भिन्न उद्योग और धन्धे,
विकसित यहाँ अपार।।

लकड़ी का उद्योग देश में,
खोलता समृद्धि के द्वार।
इमारती लकड़ी के वृक्ष हैं,
शीशम, चीड़, साखू, देवदार।।

लकड़ी से बनता फर्नीचर,
ईंधन, सजावटी सामान।
वाद्ययन्त्र, खिलौने, गहने,
कागज का होता निर्माण।।

इमली, महुआ, आम, आँवला,
हो अशोक या चन्दन।
औषधीय लकड़ी वाले ये,
भारत में होते हैं वन।।

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

हथकरघा उद्योग 08

रंग-बिरंगे धागों पर,
हाथ से चलता जब करघा।
भारत का यह लघु उद्योग,
कहलाता है हथकरघा।।

कृषि के बाद हथकरघा ,
रोजगारपरक है उद्योग।
हैंडलूम के नाम से प्रचलित,
कपड़ा बुनने का यह उद्योग।।

हथकरघा से साड़ी बनती,
कोटा, चन्देरी, वाराणसी में।
हथकरघा से दरियाँ बनती,
आगरा, बरेली, अलीगढ़ में।।

पावरलूम की वजह से इसका,
नुकसान बहुत भारी हुआ।
इसकी सुरक्षा हेतु 10 अगस्त को
हथकरघा दिवस प्रारम्भ हुआ।।

रचना
सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

कृषि उद्योग 09

सभ्यताओं के विकास क्रम में,
कृषि उद्योग एक प्रमुख साधन बना।
मानव हो या फिर पशु समाज,
सभी की उर्जा का यह संसाधन बना।।

आधारित इस पर दुनिया के,
उद्योगों की संख्या आधी।
जूट, पेय, कपड़ा उद्योग संग,
ग्रामोद्योग, डेरी, मत्स्य और खादी।।

नमन है भारत के भाग्य विधाता को,
नमन है शस्य श्यामल भारत माता को
सभी उद्योगों की है आन कृषि,
भारत की अद्भुत शान कृषि।।

जन गण मन की उत्थान कृषि,
हर सुबह में हर शाम कृषि।
कृषि प्रधान है देश मेरा,
हर जन का है अभिमान कृषि।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय रुद्रपुर
खजनी, गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

रेशम उद्योग

10

रेशम कीट का सबसे पहले,
चीन में उत्पादन आरम्भ हुआ।
भारत, जापान, ब्राजील, कोरिया,
आदि 40 देशों ने योगदान दिया।।

रेशम उद्योग में अपने भारत ने,
विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
सर्वाधिक उत्पादन कर्नाटक में होता,
पंजाब, आंध्रा ने भी इसमें नाम किया।।

वैज्ञानिक लेपराय हैं रेशम के जन्मदाता,
जिसने भारत में रेशम को पहचाना है।
पाँच किस्मों में सर्वोच्च है भारत,
मूंगा रेशम को जग में सबने माना है।।

पहन रेशमी वस्त्रों को,
हम कितने सुन्दर लगते हैं।
छोटे-छोटे कीटों से देखो,
क्या-क्या कमाल करते हैं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना - शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्र० वि० रूसिया (1-8)
अमौली ,फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

सूती वस्त्र उद्योग

11

भारतीय अर्थव्यवस्था को,
मजबूत करे सूती वस्त्र उद्योग।
शुद्ध कच्चा माल पर आधारित,
फैला कई राज्यों में सूती वस्त्र उद्योग।।

सूती वस्त्रों का अधिक उत्पादन होता,
महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में।
प्रथम स्थान पर महाराष्ट्र सुशोभित,
गुजरात राज्य विराजे द्वितीय स्थान में।।

मुम्बई, सोलापुर, कोल्हापुर, नागपुर,
सूती वस्त्र उत्पादन के हैं आधार।
कानपुर, इटावा, वाराणसी, बेलगाम,
कोयम्बटूर उत्पादन और विक्रय के हैं बाजार।।

मिल क्षेत्रक, हथकरघा और पावर लूम,
तीन इकाइयों में वितरित है यह उद्योग।
सिंधु- गंगा - ब्रह्मपुत्र के मैदान से लेकर
प्रायद्वीपीय क्षेत्र तक फैला यह उद्योग।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०अमौली(1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

मत्स्य उद्योग

12

यह कहानी है बहुत पुरानी,
बचपन में सुनाया करती थी नानी।
मछली जल की रानी है,
जीवन उसका पानी है।।

मछली और जल का नाता है गहरा,
भारत के सिर इस उद्योग का बँधा है सेहरा।
विश्व में इस उद्योग का स्थान है दूसरा,
आजीविका का बना यह उद्योग आसरा।।

पहले मछली उद्योग मछुआरों तक ही था सीमित,
पर आज लघु उद्योग के रूप में हुआ स्थापित।
आज बड़े पैमाने पर लोग हुए है आकर्षित,
पूरे मनोयोग से इस व्यवसाय में हुए समर्पित।।

भारतीय अर्थव्यवस्था का यह उद्योग है आधार,
करता कई करोड़ों के सपनों को साकार।
नई-नई तकनीकी ने की इस उद्योग में क्रान्ति,
मत्स्य पालन में आयी नई जाग्रति।।

रचना- इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।
9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

लोहा उद्योग

13

पुरातन काल से लोगों को,
लौह धातु का हुआ ज्ञान।
अन्य तत्वों की तुलना में,
लोहे का है चौथा स्थान।।

पृथ्वी माँ के गर्भ से,
लौह धातु की हुई उत्पत्ति।
300-400 ईसा वर्ष पूर्व,
लोहे की हुई थी प्राप्ति।।

कुतुबमीनार के सामने,
लोहे का स्तम्भ विशाल।
चौथी शताब्दी में बना तब,
चन्द्र वर्मन का शासन काल।।

सिंहभूमि, दुर्ग, मयूरभंज,
मैसूर में लोहे की खान।
लेटिन भाषा में फेरस कहें,
अपना भारत देश महान।।

रचना
मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

सड़क निर्माण उद्योग

14

देखो-देखो चारों तरफ फैला सड़क का जाल,
पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक कैसा जाल।
शेरशाह सूरी ने इसका निर्माण कराया,
ग्रान्ट ट्रंक अद्भुत सड़क का जाल कहलाया।।

पैदल यात्रा करते थे जब सब लोग,
थक-हार कर बैठ जाते थे वो लोग।
धूल, मिट्टी और धूप से,
होते थे बेहाल लोग।।

देख सबकी परेशानी
सड़कों का निर्माण कराया,
भारत ने सड़कों का जाल बिछाया।
फिर यातायात में हुई बड़ी आसानी,
दूर देश से भी व्यापार, उद्योग बढ़ाया।।

सड़क परितंत्र का निर्माण कराया,
सड़क निर्माण कर दुनिया में दूसरा स्थान बनाया।
राजमार्ग, सीमांत, जिला और ग्रामीण को जोड़ा,
भारत ने उद्योगों में फिर मुनाफा कमाया।।

रचना- ऊषा सुख (शिक्षामित्र)
प्रा०वि० नहटौरा, डिलारी
मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

15

चाय उद्योग

चाय सुनते ही महक,
मस्तिष्क मे घुल जाती है।
नये दिन की शुरुआत का,
एक आगाज जगाती है।।

इसका अविष्कार 2700 ई०पू०,
चीन में शेन नुंग के द्वारा हुआ।
भारत में गवर्नर जनरल लॉर्ड बैंटिक,
ने चाय उद्योग स्थापित किया।।

असम, दार्जिलिंग, कांगडा, नीलगिरी,
प्रसिद्ध चाय के बागान स्थित हैं।
हमारा देश सबसे बड़े चाय उत्पादक,
खपतकर्ता के रूप में विश्व स्थापित है।।

मसाला टी, ग्रीन टी, लेमन टी जैसी,
विभिन्न किस्में बनायी जाती हैं।
'जोरहाट' 'चाय की राजधानी',
भारत में कहलायी जाती है।।

रचना- नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

16

चीनी उद्योग

शक्कर, शर्करा, या चीनी एक,
क्रिस्टलीय मीठा खाद्य पदार्थ होता है।
भारत मे चीनी का अधिकतर उत्पादन,
सहकारी स्वामित्व मिलों मे होता है।।

अधिकांश जगहों पर चीनी गन्ना, चुकन्दर,
मीठे फलों से निकाली जाती है।
चीनी शीतल पेय, फास्ट फूड, कैंडी,
कनफेक्शनरी जैसे पदार्थों में प्रयुक्त होती है।।

ब्राजील के बाद भारत दुनिया का दूसरा,
बडा चीनी उत्पादक देश कहा जाता है।
चीनी उद्योग भारत का दूसरा सबसे,
महत्वपूर्ण उद्योग माना जाता है।।

चीनी उद्योग से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र,
बिहार, तमिलनाडु राज्य जुड़े हुए हैं।
चीनी उद्योग से लगभग पाँच लाख,
कुशल अकुशल कामगार सीधे जुड़े हैं।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

17

चाँदी उद्योग

मूल्यवती है कितनी चाँदी,
आभूषण जिसके बनते हैं।
व्यापारी सब सर्राफ कहाते,
जो बिजनेस इसका करते हैं।

कहीं पे बर्तन उजले-उजले,
कहीं है माला, पायल बनती।
चमचम चाँदी घर में सबके,
बिछिया, और अँगूठी मिलती।।

भारत के राजस्थान राज्य में,
सर्वाधिक चाँदी पायी जाती है।
जिला उदयपुर और भरतपुर,
वहीं खनन होती, आती है।।

कर्नाटक में भी कहीं कहीं,
बेल्लारी में पायी जाती है।
माँग न पूरी होती जब है,
बिट्रेन, बेल्जियम से आती है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मँहगी चाँदी, व्यापार है धीमा,
व्यापारी यही बताते हैं।
शादी त्योहारों पर घर-घर में,
हम गहने, जेवर बनवाते हैं।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
क० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

18

भवन निर्माण उद्योग

भवन निर्माण भारत का,
है एक प्रमुख उद्योग।
अवसर इससे रोजगार के,
पाते हैं बहुत से लोग।।

भवन बनाने वाला कारीगर,
राजगीर कहलाता है।
जो मेहनत से सबके लिए,
सुन्दर घर बनाता है।।

भवन निर्माण उद्योग आजकल,
रीयल स्टेट व्यवसाय कहलाता है।
ऊँची-ऊँची बिल्डिंग्स बनाना,
जिसके अन्तर्गत आता है।।

यह उद्योग बड़े शहरों में,
बड़े पैमाने पर होता है।
स्थानीय प्राधिकार के नियमों,
संहिताओं के अनुरूप होता है।।

रचना- रीना कुमारी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

कुक्कुट पालन

19

मांस अथवा अण्डों के लिए,
मुर्गी, बत्तख को पाला जाता है।
छोटे से बड़े स्तर पर कार्य,
कुक्कुट पालन कहलाता है।।

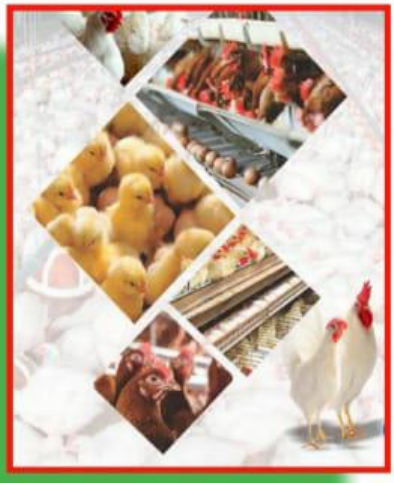

यह स्रोत है अतिरिक्त आय का,
विकल्प है ये कम्पोस्ट खाद का।
इनका विष्ट भी खाद बनाता है,
जो भूमि को उर्वरा कर जाता है।।

अण्डों की माँग दिनों दिन बढ़ रही,
इसलिए कीमत इनकी चढ़ रही।
कुक्कुट पालन 50, 60 पक्षी से शुरु,
बाद में बड़े धन्धे के बन जाओ गुरु।।

60% आहार पर व्यय होता है,
प्रोटीन, लवण का मिश्रण होता है।
इसके लिए सरकार लोन देती है,
करो धन्धा, बनो सक्षम, मन्त्र देती है।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

सोना उद्योग 20

विश्व प्रसिद्ध सोना उद्योग,
देश की समृद्धि का उद्योग।
पूरे विश्व में कुछ हैं देश,
जहाँ है प्रचलित यह उद्योग।।

विश्व में दसवां है स्थान,
प्रसिद्ध हट्टी, उटी की खान।
कर्नाटक में सोने की खानें,
आंध्र, झारखण्ड में भी खान।।

सबसे सस्ता दुबई का सोना,
थाईलैंड में भी सस्ता सोना।
हाँगकाँग है शॉपिंग हब,
जहाँ है मिलता सस्ता सोना।।

पीली चमकदार धातु है सोना,
महिलाओं की पसन्द है सोना।
कोलार है अद्वितीय खनन नगर,
पूरे विश्व में पहनते सोना।।

रचना

सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी,
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

21

इस्पात उद्योग

लोहे का नवल रूप बनकर ,
इस्पात आ गया जीवन में।
आवश्यकता मानव की बनकर,
इस्पात छा गया घर-घर में।।

हैं रूप अनोखे और अद्भुत,
क्षमता का कोई सानी नहीं।
कल पुर्जों को है जोड़-जोड़,
वायुयान उड़ाया अम्बर में।।

कभी निकिल रूप में साइकिल में,
कभी घड़ी, ब्लेड में लग आया।
कभी मैगनीज टंगस्टन बन,
है रेल दौड़ाई शहरों में।।

छत्तीसगढ़ राउरकेला और,
दुर्गापुर के कारखानों में।
श्रमिकों को है रोजगार दिया,
उड़ीसा और भिलाई में।।

रचना

सुनीता यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० फत्तेपुर मीराबेहड़
हरगाँव, सीतापुर

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

खनिज तेल उद्योग

22

स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय,
असम था मात्र एक स्थान।
बस जहाँ पर होता था,
खनिज तेल का उत्खनन।।

वर्तमान में हो गयी हैं,
चौदह शोधन शालाएँ।
लाखों टन खनिज तेल,
शोधन जहाँ हो पाए।।

पहली भारतीय शोधनशाला,
सन् 1901 में प्रभुत्व में आयी।
स्थान जहाँ स्थापित हुई यह,
उसका नाम है डिग्बोई।।

खनिज तेल उत्पादन के,
कुछ और नए हैं क्षेत्र।
रक्सॉल, किसनगंज, सन्दरवन,
अण्डमान, बीकानेर व जैसलमेर।।

रचना
फ़राह हारून"वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

23

जूट उद्योग

जूट उत्पादन में प्रसिद्ध है,
विश्व में भारत का नाम।
देश की अर्थव्यवस्था को,
करता जूट मजबूती प्रदान।।

विश्व युद्ध के समय खूब बढ़ी,
जूट निर्मित उत्पादों की माँग।
जिससे मिली भारतीय जूट को,
पूरे विश्व में एक अलग पहचान।।

पहला कारखाना सन् 1859 में,
बंगाल में किया गया स्थापित।
पर देश विभाजन से जूट उद्योग,
हो गया बुरी तरह प्रभावित।।

सरकार व किसानों के प्रयास से,
फिर जीवन्त हो उठा जूट व्यापार।
कुल जूट का 90% उत्पादन करता,
पश्चिम बंगाल, असम और बिहार।।

रचना
डॉ० रैना पाल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) आमगांव,
जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धे

24

लाख उद्योग

लाख करो तो लाखों पाओ,
जीवन का आदर्श बनाओ।
लाख उगाना सरल, सुगम,
पेड़ों से मिलता लाख सुगम।।

कीटों को पालो पेड़ों पर,
पैदा हो लाख उन पेड़ों पर।
पेड़ों से काटकर साफ करो,
फिर उसको छीलो साफ करो।।

अधिकांश लाख है झारखण्ड में,
पैदा होता देश के हर खण्ड-खण्ड में।
पेड़ों पर चढ़ना पुरुष काम है,
महिलाएँ करती साफ, भरने का काम है।।

जिन जगहों पर मिट्टी है बंजर,
उगता नहीं कुछ उस धरती पर।
लाख उगाना एक मुख्य व्यवसाय है,
घर-परिवार की मुख्य आय है।।

रचना
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख उद्योग धन्धे

रचनाकारों की सूची

01- नैमिष शर्मा, मथुरा
02- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
03- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
04- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
05- जितेन्द्र कुमार, बागपत
06- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
07- शिखा वर्मा, सीतापुर
08- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
09- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
10- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
11- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
12- इला सिंह, फतेहपुर
13- मन्जू शर्मा, हाथरस
14- ऊषा सुख, मुरादाबाद
15- नीलम भास्कर, बागपत
16- ज्योति सागर, बागपत
17- सतीश चन्द्र, सीतापुर
18- रीना कुमारी, बागपत
19- भुवन प्रकाश, सीतापुर
20- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
21- सुनीता यादव, सीतापुर
22- फ़राह हारून, बदायूँ
23- डॉ० रैना पाल, बदायूँ
24- रजत कमल वार्ष्णेय, बदायूँ

तकनीकी सहयोग
1- सुधांशू श्रीवास्तव, फतेहपुर
2- आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलनः- मिशन शिक्षण संवाद